भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 742

दिनांक 07 फरवरी, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

श्रीअन्न का निर्यात

742. डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री कनकमल कटारा:
श्री कृष्णपालसिंह यादव:
श्री उन्मेश भैय्यासाहेब पाटिल:
प्रो. रीता बहुगुणा जोशी:
डॉ. सुजय विखे पाटील:
डॉ. हिना विजयकुमार गावीत:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने भारत से श्रीअन्न सहित कृषि उत्पादों के निर्यात को सुविधाजनक बनाने, बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) भारत में श्रीअन्न के निर्यात की राज्य-वार वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार श्रीअन्न के सेवन के लाभों के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए कदम उठा रही है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार द्वारा श्रीअन्न के वैश्विक बाजार में प्रवेश करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) वाणिज्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक सांविधिक संगठन, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) को भारत से श्रीअन्न सहित कृषि उत्पादों के निर्यात का संवर्धन करने का अधिदेश प्राप्त है। एपीडा अपनी कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन योजना के तहत एपीडा अपने पंजीकृत निर्यातकों को सहायता प्रदान करता है, जिसमें श्रीअन्न भी शामिल है। यह सहायता योजनाओं के विभिन्न घटकों अर्थात अवसंरचना विकास,

गुणवत्ता विकास और बाजार विकास के अंतर्गत प्रदान की जाती है। निर्यात-बाजार लिंकेज प्रदान करने के लिए क्लस्टरों में क्रेता-विक्रेता बैठकें (बीएसएम) आयोजित की जाती हैं। निर्यात अवसरों का आकलन करने और उनका दोहन करने के लिए विदेश स्थित भारतीय मिशनों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए नियमित रूप से विचार-विमर्श किया जाता है। भारतीय मिशनों के माध्यम से देश विशिष्ट बीएसएम भी आयोजित किए जाते हैं।

(ख) वर्ष 2022-23 के दौरान भारत के श्रीअन्न निर्यातों का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

(ग) वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष (आईवाईएम– 2023) के रूप में मनाया गया। भारत सरकार ने आईवाईएम 2023 के उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय श्रीअन्न को विश्व स्तर पर ले जाने के लिए एक सक्रिय बहु-हितधारक जुड़ाव दृष्टिकोण (केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, किसानों, स्टार्ट-अप, निर्यातकों, खुदरा व्यवसायों, होटलों, भारतीय दूतावासों आदि को शामिल करना) अपनाया है।

भारत सरकार ने इसे जन आंदोलन बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है जिससे कि भारतीय श्रीअन्न, व्यंजनों, मूल्य वर्धित उत्पादों को विश्व स्तर पर बढ़ावा दिया जा सके। भारत में श्रीअन्न को जी 20 की अध्यक्षता के दौरान, श्रीअन्न पाक कार्निवल, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कार्यक्रम, शेफ सम्मेलन, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की प्रदर्शनी, रोड शो, किसान मेले, अर्धसैनिक बलों के लिए शेफ का प्रशिक्षण, इंडोनेशिया और दिल्ली में आसियान इंडिया मिलेट फेस्टिवल आदि में बढ़ावा दिया गया।

भारत को 'श्रीअन्न' के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने के लिए, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट रिसर्च (आईआईएमआर), हैदराबाद को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोत्तम प्रथाओं, अनुसंधान और प्रौद्योगिकियों को साझा करने के लिए वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र घोषित किया गया है। आईआईएमआर किसानों, महिला किसानों, गृहिणियों, छात्रों और युवा उद्यमियों को मूल्य वर्धित श्रीअन्न खाद्य उत्पादों, दैनिक व्यंजनों आदि के निर्माण पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और स्व-उद्यम स्थापित करने के लिए उनकी सहायता कर रहा है। इंस्टीट्यूट ने श्रीअन्न खाद्य पदार्थों के लिए "रेडी टू ईट" और "रेडी टू कुक" सहित मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियां भी विकसित की हैं। इस संबंध में उठाए गए अन्य कदमों में श्रीअन्न खाद्य पदार्थों को "ईट्राइट" टैग के तहत ब्रांडिंग करना; जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन; और कृषि व्यवसाय इनक्यूबेटर और प्रौद्योगिकी व्यवसाय इन्क्यूबेटरों आदि को बढ़ावा देना शामिल है।

श्रीअन्न को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों को जारी रखते हुए, दिल्ली हाट, आईएनए, नई दिल्ली में एक 'श्रीअन्न अनुभव केंद्र (एमईसी)' खोला गया है, जिसका उद्देश्य श्रीअन्न के बारे में जागरूकता बढ़ाना और आम जनता के बीच इसे अपनाने को प्रोत्साहित करना है। सरकारी कर्मचारियों में श्रीअन्न के उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए सभी सरकारी कार्यालयों को सलाह दी गई है कि वे विभागीय प्रशिक्षणों/बैठकों में श्रीअन्न स्नैक्स और विभागीय कैंटीनों में श्रीअन्न आधारित खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

(घ) सरकार वैश्विक बाजारों में भारतीय श्रीअन्न का बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप, शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों, भारतीय मिशनों, प्रसंस्करणकर्ताओं, खुदरा विक्रेताओं और निर्यातकों के साथ भागीदारी बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक निर्यात संवर्धन मंच (ईपीएफ) की स्थापना की गई है। एक अलग श्रीअन्न -विशिष्ट वेब पोर्टल विकसित किया गया है जिसमें श्रीअन्न, उनसे स्वास्थ्य लाभ, उत्पादन और निर्यात सांख्यिकी, श्रीअन्न निर्यातक की निर्देशिका आदि के बारे में जानकारी है। एपीडा ने भारत की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए एक व्यापक वैश्विक विपणन अभियान भी आयोजित किया है और तदनुसार 30 आयातक देशों और 21 श्रीअन्न उत्पादक राज्यों के ई-कैटलॉग जारी किए गए हैं।

श्रीअन्न के लिए एक वर्चुअल व्यापार मेला (वीआईएफ) विकसित किया गया है और दुनिया भर के निर्यातकों और आयातकों के लिए उपलब्ध कराया गया है, जो व्यापार सौदों पर बातचीत और चर्चा करने के लिए एक ही मंच प्रदान करता है। वीटीएफ 24x7, 365 दिनों के लिए प्रचालनरत है।

एपीडा ने बायोफैच-जर्मनी, गल्फूड-दुबई, नेचुरल प्रोडक्ट्स एक्सपो वेस्ट- यूएसए, इंटरनेशनल फूड एंड ड्रिंक (आईएफई) और बीएसएम-यूके, सियाल फूड-कनाडा, सियोल फूड एंड होटल-दक्षिण कोरिया आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी का आयोजन किया है, जिससे निर्यातकों को वैश्विक बाजारों में अपने श्रीअन्न उत्पादों को प्रस्तुत करने और बढ़ावा देने में सुविधा मिलती है। एपीडा श्रीअन्न और मूल्य वर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आयातक देशों में भारतीय मिशनों के साथ भी काम कर रहा है।

*****

दिनांक 07.02.2024 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न क्रमांक 742 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

अनुबंध

वर्ष 2022-23 के दौरान भारत के श्रीअन्न निर्यात का राज्य-वार विवरण		
	मात्रा. मी.टन में; मूल्य मिलियन अमेरिकी डॉलर में	
राज्य	**मात्रा**	**कीमत**
गुजरात	78106.15	34.19
महाराष्ट्र	50486.43	24.07
बिहार	19917.76	5.53
पश्चिम बंगाल	12587.49	3.52
तेलंगाना	1680.25	3.30
तमिलनाडु	2952.63	2.48
आंध्र प्रदेश	1319.78	0.61
हरियाणा	301.59	0.42
कर्नाटक	429.25	0.35
मध्य प्रदेश	345.76	0.28
केरल	326.95	0.27
राजस्थान	405.71	0.26
उत्तर प्रदेश	112.14	0.11
पंजाब	50.64	0.07
अन्य राज्य	26.69	0.02
कुल	**169049.22**	**75.48**

स्रोत: डीजीसीआई एंडएस

*****